भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3072

(दिनांक 11.03.2026 को उत्तर देने के लिए)

प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास योजना

3072. श्री मलैयारासन डी.:

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) प्रसार भारती की प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास (बीआईएनडी) योजना के उद्देश्य और कार्यक्षेत्र का ब्यौरा क्या है;

(ख) बीआईएनडी योजना का उद्देश्य किस प्रकार देशभर में प्रसारण अवसंरचना का आधुनिकीकरण करना और दूरदर्शन तथा आकाशवाणी की पहुंच को बढ़ाना है;

(ग) बीआईएनडी' योजना ने दूरदर्शन और आकाशवाणी द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रसारण सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार करने में किस प्रकार योगदान दिया है;

(घ) ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में हाई डेफिनिशन (एचडी) और डिजिटल सेवाएं प्रदान करने के लिए उक्त योजना के अंतर्गत किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या 'बीआईएनडी' योजना में विविध भाषाई और संस्कृति से जुड़े दर्शकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय सामग्री तैयार किए जाने के प्रावधान शामिल हैं; और

(च) यदि हां, तो 'बीआईएनडी' योजना के कार्यान्वयन और प्रभावशीलता की निगरानी के लिए क्या तंत्र स्थापित किए गए हैं?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (च): प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास (बीआईएनडी) स्कीम देश में दूरदर्शन और आकाशवाणी की प्रसारण अवसंरचना के विकास, आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम है। बीआईएनडी स्कीम, जो सभी राज्यों को कवर करने वाली एक अखिल भारतीय पहल है, को वर्ष 2021-26 के लिए कुल 2539.61 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ अनुमोदित किया गया है। इसमें ट्रांसमीटरों और स्टूडियो की स्थापना एवं

आधुनिकीकरण, डीडी फ्री डिश डीटीएच प्लेटफॉर्म तथा डीडी टीवी चैनलों का विस्तार और निर्माण एवं पारेषण सुविधाओं का उन्नयन शामिल है। यह स्कीम सामग्री सृजन और नवाचार तथा सामरिक, सीमावर्ती और वामपंथ उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में लोक प्रसारण की पहुँच का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

बीआईएनडी स्कीम के अंतर्गत परियोजनाओं के कार्यान्वयन की नियमित रूप से प्रसार भारती और मंत्रालय द्वारा निगरानी की जाती है।

डीडी फ्री डिश देश की एकमात्र फ्री-टू-एयर डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) सेवा है, जो पूरे देश में बिना किसी सदस्यता शुल्क के विभिन्न टेलीविजन चैनल उपलब्ध कराती है। डीडी फ्री डिश पर चैनलों की संख्या वर्ष 2019 में 104 चैनलों से बढ़कर वर्तमान में 510 चैनल हो गई है, जिसमें 92 प्राइवेट चैनल, 50 दूरदर्शन चैनल और 320 शैक्षणिक चैनल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 48 आकाशवाणी चैनल तथा एफएम गोल्ड, रेनबो और विविध भारती सेवा जैसे लोकप्रिय चैनल भी डीटीएच प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। दूरस्थ क्षेत्रों में बड़ी संख्या में दर्शक वर्ग सहित भारतीय दर्शकों को सेवा प्रदान करते हुए, यह समाचार, सूचना, शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा प्राइवेट चैनलों तक भी व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने में योगदान देती है।

वर्तमान में आकाशवाणी का स्थलीय कवरेज देश के लगभग 90% भौगोलिक क्षेत्र और देश की लगभग 98% जनसंख्या तक है। इसके अतिरिक्त, 260 से अधिक आकाशवाणी चैनलों को मोबाइल फोन पर "न्यूजऑनएआईआर" ऐप के माध्यम से भी सुना जा सकता है। इसके अलावा, लोक प्रसारण की पहुँच को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए बीआईएनडी स्कीम के अंतर्गत 59 नए एफएम ट्रांसमीटरों को अनुमोदित किया गया है।

प्रसार भारती ने वर्ष 2024 में अपना ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" भी प्रारंभ किया है जो एक बहु-विधा डिजिटल स्ट्रीमिंग एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म है और सूचना-मनोरंजन (इन्फोटेनमेंट) सामग्री उपलब्ध कराता है। यह सूचना, शिक्षा और संस्कृति को सभी के लिए सहज रूप से उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दूरदर्शन और आकाशवाणी नेटवर्क के विभिन्न चैनलों को भी वेव्स प्लेटफॉर्म में एकीकृत किया गया है।

****

भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3072

(दिनांक 11.03.2026 को उत्तर देने के लिए)

प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास योजना

3072. श्री मलैयारासन डी.:

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) प्रसार भारती की प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास (बीआईएनडी) योजना के उद्देश्य और कार्यक्षेत्र का ब्यौरा क्या है;

(ख) बीआईएनडी योजना का उद्देश्य किस प्रकार देशभर में प्रसारण अवसंरचना का आधुनिकीकरण करना और दूरदर्शन तथा आकाशवाणी की पहुंच को बढ़ाना है;

(ग) बीआईएनडी' योजना ने दूरदर्शन और आकाशवाणी द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रसारण सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार करने में किस प्रकार योगदान दिया है;

(घ) ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में हाई डेफिनिशन (एचडी) और डिजिटल सेवाएं प्रदान करने के लिए उक्त योजना के अंतर्गत किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या 'बीआईएनडी' योजना में विविध भाषाई और संस्कृति से जुड़े दर्शकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय सामग्री तैयार किए जाने के प्रावधान शामिल हैं; और

(च) यदि हां, तो 'बीआईएनडी' योजना के कार्यान्वयन और प्रभावशीलता की निगरानी के लिए क्या तंत्र स्थापित किए गए हैं?

उत्तर

सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री

(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (च): प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास (बीआईएनडी) स्कीम देश में दूरदर्शन और आकाशवाणी की प्रसारण अवसंरचना के विकास, आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए एक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम है। बीआईएनडी स्कीम, जो सभी राज्यों को कवर करने वाली एक अखिल भारतीय पहल है, को वर्ष 2021-26 के लिए कुल 2539.61 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ अनुमोदित किया गया है। इसमें ट्रांसमीटरों और स्टूडियो की स्थापना एवं

आधुनिकीकरण, डीडी फ्री डिश डीटीएच प्लेटफॉर्म तथा डीडी टीवी चैनलों का विस्तार और निर्माण एवं पारेषण सुविधाओं का उन्नयन शामिल है। यह स्कीम सामग्री सृजन और नवाचार तथा सामरिक, सीमावर्ती और वामपंथ उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में लोक प्रसारण की पहुँच का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

बीआईएनडी स्कीम के अंतर्गत परियोजनाओं के कार्यान्वयन की नियमित रूप से प्रसार भारती और मंत्रालय द्वारा निगरानी की जाती है।

डीडी फ्री डिश देश की एकमात्र फ्री-टू-एयर डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) सेवा है, जो पूरे देश में बिना किसी सदस्यता शुल्क के विभिन्न टेलीविजन चैनल उपलब्ध कराती है। डीडी फ्री डिश पर चैनलों की संख्या वर्ष 2019 में 104 चैनलों से बढ़कर वर्तमान में 510 चैनल हो गई है, जिसमें 92 प्राइवेट चैनल, 50 दूरदर्शन चैनल और 320 शैक्षणिक चैनल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 48 आकाशवाणी चैनल तथा एफएम गोल्ड, रेनबो और विविध भारती सेवा जैसे लोकप्रिय चैनल भी डीटीएच प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। दूरस्थ क्षेत्रों में बड़ी संख्या में दर्शक वर्ग सहित भारतीय दर्शकों को सेवा प्रदान करते हुए, यह समाचार, सूचना, शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा प्राइवेट चैनलों तक भी व्यापक पहुँच सुनिश्चित करने में योगदान देती है।

वर्तमान में आकाशवाणी का स्थलीय कवरेज देश के लगभग 90% भौगोलिक क्षेत्र और देश की लगभग 98% जनसंख्या तक है। इसके अतिरिक्त, 260 से अधिक आकाशवाणी चैनलों को मोबाइल फोन पर "न्यूजऑनएआईआर" ऐप के माध्यम से भी सुना जा सकता है। इसके अलावा, लोक प्रसारण की पहुँच को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए बीआईएनडी स्कीम के अंतर्गत 59 नए एफएम ट्रांसमीटरों को अनुमोदित किया गया है।

प्रसार भारती ने वर्ष 2024 में अपना ओटीटी प्लेटफॉर्म "वेव्स" भी प्रारंभ किया है जो एक बहु-विधा डिजिटल स्ट्रीमिंग एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म है और सूचना-मनोरंजन (इन्फोटेनमेंट) सामग्री उपलब्ध कराता है। यह सूचना, शिक्षा और संस्कृति को सभी के लिए सहज रूप से उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दूरदर्शन और आकाशवाणी नेटवर्क के विभिन्न चैनलों को भी वेव्स प्लेटफॉर्म में एकीकृत किया गया है।

****